ब्रिक्स साहित्य सम्मेलन में साहित्य अकादेमी ने की भागीदारी

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

रूस के कजान में शुरू हुए ब्रिक्स साहित्य सम्मेलन 2024 के पहले दिन कार्यक्रम ब्रिक्स साहित्य का भविष्य में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने साहित्य की एकीकृत प्रकृति के विभिन्न आयामों को प्रस्तुत किया और बताया कि कैसे ब्रिक्स देशों के साहित्यिक सम्मेलनों को दुनिया भर में सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करने के लिए आवश्यक बनाया जा रहा है। श्रीनिवासराव ने उम्मीद जताई कि ऐसे सम्मेलनों से ब्रिक्स देशों की भाषाओं के परस्पर अनुवादों में वृद्धि होगी और इसके प्रति जागरूकता बढ़ेगी जिससे सार्थक संवाद और उद्देश्यपूर्ण सांस्कृतिक आदान-प्रदान सुनिश्चित होगा। दिन के अंतिम कार्यक्रम इंटरनेट युग में पुस्तक मेलों पर चर्चा में बोलते हुए के. श्रीनिवासराव ने कहा कि डिजिटल युग में पुस्तक मेलों के आयोजन से पाठकों, लेखकों, प्रकाशकों को कई लाभ होते हैं। उन्होंने भारत के महत्तवपूर्ण पुस्तक मेलों के साथ ही कुछ अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों जैसे फ्रैंकफर्ट अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला, शारजाह अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला और ग्वाडलजारा अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला के बारे में भी बताते हुए कई उदाहरण प्रस्तुत किए। चर्चा में भाग ले रहे अन्य प्रतिभागियों ने व्यक्त प्रतिक्रियाओं की सराहना करते हुए कहा कि विचारों के ऐसे खुले आदान-प्रदान से ही सभी देशों का साहित्यिक समुदाय उपयुक्त सुधार की ओर अग्रसर हो सकते हैं। समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों ने ब्रिक्स देशों के बीच और अधिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान की आशा व्यक्त की।